पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

शादी के दो साल बाद पापा बनेंगे रणदीप हुड्डा

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 | अंक : 224 | सोमवार 1 दिसंबर 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ नपा चुनाव स्थगित

- चुनाव का नया कार्यक्रम 4 दिसंबर को- चुनाव अधिकारी
- क्या 20 दिसंबर को होंगे चुनाव?
- उम्मीदवारों व मतदाताओं में दिन भर रहा असमंजस
- कहीं मायूसी से तो कहीं खुशी
- चुनावी माहौल हुआ ठंडा

अंबरनाथ. रविवार 30 नवंबर का दिन अंबरनाथ नगरपरिषद चुनाव को लेकर काफी असमंजस भरा रहा. यह भ्रम की स्थित तब समाप्त हुई जब चुनाव निर्णय अधिकारी विजयानंद शर्मा ने रात में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आदेश निकाला कि अंबरनाथ के चुनाव स्थगित किए जाते हैं और नया चुनाव कार्यक्रम 4 दिसंबर को घोषित किया जाएगा.

महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग के आदेशानुसार नपा चुनाव के नगरसेवकों व नगराध्यक्ष के लिए होने वाले चुनाव के लिए अपील फाइल की गई है, लेकिन अपील का फैसला डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने 22 नवंबर के बजाय 23 नवंबर को दिया. ऐसे नपा चुनाव हेतु तय 4 नवंबर के प्रोग्राम के अनुसार चुनाव नहीं होंगे। यह भी कहा गया है कि अगर नगराध्यक्ष का पद ऐसे किसी मामले में शामिल है, तो उस नगर परिषद का चुनाव टाल दिया गया है और बदले हुए प्रोग्राम (अपेंडिक्स-1) के अनुसार होगा। उसके आधार पर अब अंबरनाथ नगर परिषद के चुनाव स्थगित किए जाते हैं और सुधारित कार्यक्रम 4 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

इस आदेश के बाद यह साफ हो गया कि अब 2 दिसंबर को होने वाला मतदान अब नहीं होगा। मतदान का कार्यक्रम आने के बाद ही चुनाव की पूर्ण स्थिति स्पष्ट होगी। ऐसे में क्या 20 दिसंबर को चुनाव होंगे इस पर स्थिति 4 दिसंबर को ही साफ होगी।

इससे पूर्व चुनाव अधिकारी और चीफ ऑफिसर उमाकांत गायकवाड़ और तहसीलदार अमित पुरी ने रविवार शाम को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि अंबरनाथ नपा नगराध्यक्ष और नगरसेवक पदों के उम्मीदवारों के स्क्रूटनी फैसले को लेकर सभी एप्लीकेशन कोर्ट ने खारिज कर दी हैं। कुल 13 उम्मीदवारों ने इलेक्शन अधिकारी के 18 नवंबर को दिए गए फैसले के खिलाफ एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज, कल्याण के पास अपील फाइल की थी। इनमें से गणेश यशवंत लाटे (वार्ड 6-B) ने सुनवाई से पहले अपनी पिटीशन वापस ले ली, जबकि बाकी 12 मामलों में कोर्ट ने स्क्रूटनी के दौरान इलेक्शन अधिकारी के फैसले को बरकरार रखा है और उम्मीदवारों की अपील खारिज कर दी है।

वहीं रविवार सुबह से ही चुनाव स्थगित को लेकर सभी पक्ष के नेता, उम्मीदवार व कार्यकर्ता नपा चुनावी कार्यालय में जमा हुए और आदेश की सच्चाई हेतु शाम तक यहां वहां भटकते हुए देखे गए। इस आदेश ने पूरे शहर में असमंजस की स्थिति पैदा कर दी। उम्मीदवारों और नेताओं का कहना था कि आज प्रचार का पूरा दिन बर्बाद हो गया इस भ्रम में कि चुनाव अब 20 दिसंबर को होंगे। नपा चुनाव रद्द हो जाने से कहीं खुशी तो कहीं गम के बादल नजर आ रहे हैं क्योंकि जिन उम्मीदवारों को लग रहा है कि वो जीत रहे हैं उनके लिए यह खबर बुरी है और जिन्हें माहौल से यह पता चल चुका है कि वो हारने वाले हैं उनके लिए यह राहत की खबर है। क्योंकि अगर चुनाव होंगे तो उन्हें मतदाताओं को लुभाने का मौका एक बार फिर मिल जाएगा। चुनाव में देरी से कई समीकरण बदल सकते हैं और इसका असर आगामी चुनाव के परिणामों पर भी देखने को मिल सकता है। फिलहाल चुनाव स्थगित से नेताओं और उम्मीदवारों में चुनाव का उत्साह पूरी तरह ठंडा पड़ गया है। अब देखना है कि 20 दिसंबर को होते हैं अथवा और भी आगे ढकेल जाएंगे।

अंबरनाथ में आवारा कुत्तों का आतंक

अंबरनाथ. शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनके आतंक के कारण लोगों का जीवन असुरक्षित हो गया है। शहर के बी केबिन, रॉयल पार्क, दत्तकुटीर, कंसाई, - नवरेनगर और पूर्व-पश्चिम इलाकों के लोग डर के साये में जी रहे हैं। आवारा कुत्तों के आतंक के कारण लोगों की शिकायतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। इन कुत्तों ने कई लोगों को काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है, जिससे लोगों की सुरक्षा का मुद्दा उठ खड़ा हुआ है।

एक गंभीर आंकड़ा सामने आया है कि जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच लगभग 5920 लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा है, जिसमें छोटे बच्चों पर भी हमला हुआ है। इस बढ़ते खतरे की गंभीरता को दिखाने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना पिछले महीने हुई।

अंबरनाथ पश्चिम में शंकर हाइट्स बिल्डिंग में रहने वाले युवक अमन राजकुमार कोरी को तीन महीने पहले शिवाजी मार्केट इलाके में एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था। कुछ हफ़्ते बाद, अमन की तबीयत बिगड़ गई। जांच के बाद पता चला कि उसे रेबीज़ हो गया है। उसे तुरंत इलाज के लिए मुंबई के कस्तूरबा हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया। अमन की मौत से आवारा कुत्तों के खिलाफ़ नसबंदी अभियान को 'तेज़ी' मिली है। इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेते हुए, स्थानीय निवासियों ने नगर परिषद के स्वास्थ्य विभाग के हेल्थ इंस्पेक्टर संदीप खोजे और हेल्थ ऑफिसर महेश तायड़े से आवारा कुत्तों पर तुरंत कंट्रोल करने की मांग की है।

नागरिकों से उम्मीद है कि वे नागरिकों की सुरक्षा और पब्लिक हेल्थ के लिए गंभीर कदम उठाएंगे। आवारा कुत्तों की संख्या को कंट्रोल करने के लिए अंबरनाथ में नसबंदी सेंटर कुछ महीनों के लिए बंद कर दिया गया था, जिससे कुत्तों की संख्या बढ़ रही थी। नागरिकों की बढ़ती शिकायतों और हमलों की घटनाओं के बाद, नगर पालिका ने अब इस नसबंदी केंद्र को फिर से खोलने के लिए टेंडर निकाला है। शहर में ऐसी गंभीर घटनाओं के बावजूद, अंबरनाथ नगर परिषद नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग और पशुपालन विभाग पर इस समस्या को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ करने का कड़ा आरोप लगाया है।

खोनी गांव में अवैध शराब भट्ठी ध्वस्त

कल्याण. ठाणे पुलिस एंटी-एक्सटॉर्शन स्क्वॉड ने शनिवार सुबह डोंबिवली के पास खोनी गांव इलाके में एक अवैध गावठी शराब की भट्ठी पर छापा मारकर उसे ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में पुलिस ने करीब दो लाख चालीस हजार रुपये का सामान नष्ट किया है। जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपी जयेश थोम्ब्रे गांव की शराब बनाने का धंधा चला रहा है। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर शैलेश साल्वी के मार्गदर्शन में टीम ने यह कार्रवाई की।

असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सुनील तारमाले के नेतृत्व वाली टीम ने गांव की शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामान, तैयार शराब और बनाने के औजार जब्त करके नष्ट कर दिए। खोनी इलाके में लंबे समय से चल रही यह फैक्ट्री स्थानीय लोगों की शिकायत पर पुलिस के संज्ञान में आई थी। उसके बाद टीम ने जाल बिछाकर यह बड़ी कार्रवाई की। आरोपी के खिलाफ संबंधित कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे ऐसी चीज़ों का सेवन न करें जो सेहत के लिए नुकसानदायक हैं।

अंबरनाथ में छात्रों की जान खतरे में

- 'स्कूल वैन' में ठसाठस भरकर परिवहन फिर से शुरू

अंबरनाथः अंबरनाथ शहर में छात्र परिवहन का मुद्दा एक बार फिर सामने आया है। चलती स्कूल वैन की डिक्की से एक छात्र के गिरने की चौंकाने वाली घटना को कुछ महीने बीत चुके हैं। इस घटना ने शहर को हिलाकर रख दिया था और उस समय परिवहन विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अभियान चलाया था। हालाँकि, यह कार्रवाई कुछ ही दिनों तक चली। अब एक बार फिर अंबरनाथ की सड़कों पर वही भयावह तस्वीर दिखाई देने लगी है, बच्चों को सचमुच रिक्शा और स्कूल वैन में ढोया जा रहा है।

क्षमता से अधिक छात्रों को ले जाना, सुरक्षा की पूरी तरह से अनदेखी करना और यातायात नियमों का उल्लंघन करना आम बात है। इन चालकों पर कोई लगाम नहीं है, जिसके कारण छात्रों की जान सचमुच चालकों के हवाले हो गई है। कुछ महीने पहले, एक छात्र स्कूल वैन की डिक्की से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना के बाद, चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और परिवहन विभाग ने अभियान शुरू किया। हालांकि, यह कार्रवाई कुछ ही दिनों में ठंडी पड़ गई और शहर फिर से गैरजिम्मेदारी के गर्त में धकेल दिया गया। इस बीच, परिवहन विभाग के मुंह मोड़ते ही शहर में फिर से वही खतरनाक मंजर देखने को मिल रहा है, और नागरिक तीव्र आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। क्या प्रशासन और परिवहन विभाग ने आंखें मूंद ली हैं? क्या वे किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं? नागरिक यह गुस्से भरा सवाल उठा रहे हैं। शहर के हर स्कूल के बाहर 'कंपाउंड' से भरी वैन और रिक्शों का बेड़ा देखा जा सकता है, और इस लापरवाही के बावजूद प्रशासन की लापरवाही अब नागरिकों के गुस्से को बढ़ा रही है। छात्र सुरक्षा का मुद्दा फिर से सामने आया है और क्या प्रशासन तभी कार्रवाई करेगा जब किसी की जान जाएगी? यह अभिभावकों द्वारा पूछा जाने वाला एक सीधा सवाल है।

हर सुबह और शाम स्कूल समय के दौरान, शहर की सड़कों पर चलने वाले रिक्शा और वैन में छात्र ठूंस-ठूंस कर भरे दिखाई देते हैं। कहीं-कहीं तो एक छोटे से रिक्शे में आठ से दस छात्र बिठाए जाते हैं, जबकि स्कूल वैन में 20 से 22 छोटे बच्चों को ठूंस-ठूंस कर भरा जाता है।

उल्हासनगर में पिकाचू गैंग के सदस्यों पर हमला, 5 गिरफ्तार

उल्हासनगर. उल्हासनगर पुलिस ने एक बार फिर शहर में हो रही आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 'पिकाचू गैंग' के सदस्यों नॉडी और अंकित जायसवाल पर जानलेवा हमले में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

26 नवंबर की रात को, आठ से 10 लोगों के एक गैंग ने पुरानी दुश्मनी के कारण उल्हासनगर नंबर 2, रमाबाई अंबेडकरनगर इलाके में अनिकेत जायसवाल और नॉडी पर तलवारों, बांस और लोहे की रॉड से हमला किया। इस हमले में अनिकेत जायसवाल के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद, अनिकेत की शिकायत पर उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। उसके बाद, आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए जांच शुरू की गई। पुलिस इंस्पेक्टर लक्ष्मण कांबले, पुलिस सब-इंस्पेक्टर रंजीत वाल्के की एक टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रमेश पवार, जय उर्फ दादू मोरे, दीपक शेजवाल और दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है, और कोर्ट ने तीन मुख्य आरोपियों को पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

कार्रवाई के बाद, पुलिस इंस्पेक्टर लक्ष्मण कांबले ने गुंडागर्दी करने वाले गैंग को कड़ी चेतावनी दी है। उल्हासनगर में गैर-कानूनी काम, आतंक या गुंडागर्दी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने साफ किया है कि अब शहर में सिर्फ 'कानून का राज' चलेगा। पुलिस ने बाकी आरोपियों की तलाश युद्ध स्तर पर शुरू कर दी है, और आने वाले दिनों में और आरोपियों के गिरफ्तार होने की संभावना है।

शहाड इलाके में प्राइवेट बसों की बिना इजाज़त पार्किंग बंद हो

कल्याण. BJP की तरफ से कल्याण पश्चिम के शहाड इलाके में प्राइवेट बसों की बिना इजाज़त पार्किंग बंद करने की मांग की गई है। BJP वार्ड प्रेसिडेंट मोहन कोनकर ने इस बारे में ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट को लेटर दिया है।

वार्ड नंबर 15 में मोहने रोड, पाटीदार हॉल से लेकर मोहनखेड़ा बिल्डिंग तक हर शाम प्राइवेट बसें गैर-कानूनी तरीके से पार्क की जाती हैं। इस पार्किंग की वजह से नागरिकों को सड़क पर चलने में दिक्कत हो रही है। बसों के पीछे दुकानें होने की वजह से यहां चोरी की घटनाएं भी बढ़ गई हैं। बसों के पीछे गर्दुल्ले बैठते हैं, इसलिए नागरिकों की सुरक्षा का भी सवाल है और कोई बड़ी घटना या बड़ा क्राइम होने से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए मोहन कोंकर ने ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट से यहां बसों की बिना इजाज़त पार्किंग रोकने की रिक्वेस्ट की है।

व्यवसायी से 25 करोड़ की ठगी

- दिल्ली के तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज

उल्हासनगर. शहर में एक कंस्ट्रक्शन व्यवसायी सुनील शामलाल तलरेजा से 25 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। उसे अलग-अलग तरह का सामान दिलाने का लालच देकर ठगा गया। इस मामले में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में दिल्ली के तीन जैन भाइयों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

उल्हासनगर कैंप नंबर 3 में सुनील तलरेजा की इंदरदीप कंस्ट्रक्शन कंपनी और इंदरदीप इन्फो इंडिया कंपनी का ऑफिस हीराघाट में केस्ट्रेल प्राइड बिल्डिंग में है। दिल्ली के रहने वाले और H.C. पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड H. C. पाइप एंड वॉल्स ट्रेडिंग कंपनी के मालिक विकास प्रवीणकुमार जैन, अंकुर प्रवीणकुमार जैन, आस्था जैन, तलरेजा के ऑफिस आए और उसे अपने बिजनेस के लिए जरूरी DI, MS पाइप और दूसरा सामान समय पर दिलाने का लालच दिया। उसका भरोसा जीतने के लिए, उन्होंने शुरू में उससे ऑर्डर लिए और समय पर सामान भेजकर ट्रांजैक्शन पूरा किया। लेकिन, बड़ी रकम एडवांस लेने के बाद भी ऑर्डर के मुताबिक माल नहीं भेजा गया।

उल्हासनगर में ज़मीन अधिग्रहण का नाप-जोख पूरा

- तीसरी-चौथी रेलवे लाइन प्रोजेक्ट ज़ोरों पर
- ट्रांसपोर्टेशन को आसान बनाना

> कल्याण-कसारा रेलवे लाइन की तीसरी और चौथी लाइनें इस डिपार्टमेंट के भविष्य के ट्रांसपोर्टेशन को मज़बूत बनाने के लिए बहुत ज़रूरी हैं। आज की गई गिनती और ड्राइंग प्रोसेस उस दिशा में एक अहम कदम है।
>
> **-मनीषा अव्हाले**, आयुक्त उल्हासनगर महा पालिका

उल्हासनगर. कल्याण-कसारा रेलवे लाइन पर बनने वाली तीसरी और चौथी नई रेलवे लाइनों के लिए ज़मीन अधिग्रहण और प्रभावित एरिया को मापने का बहुत ज़रूरी स्टेज, जिससे उल्हासनगर का डेवलपमेंट तेज़ी से होगा, असल में शुक्रवार को पूरा हो गया। ठाणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के निर्देशों और उल्हासनगर म्युनिसिपल कमिश्नर मनीषा अव्हाले के निर्देशों के मुताबिक, एडमिनिस्ट्रेशन ने इस ज़रूरी प्रोसेस को तेज़ी से पूरा किया।

सिटी सर्वे ऑफिस से गीता पवार, टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट से सर्वेयर दत्ता भोईर, साथ ही म्युनिसिपल प्रॉपर्टी डिपार्टमेंट के ज़रिए असिस्टेंट कमिश्नर अजय साबले, प्रॉपर्टी मैनेजर छाया डांगले और जूनियर इंजीनियर सुमित मुकादम की टीम ने यह प्रोसेस पूरा किया। यह राज्य सरकार के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए एक ज़रूरी प्रोजेक्ट है।

सभी पार्टियों में परिवारवाद ज़िंदाबाद!

- अंबरनाथ-बदलापुर में कार्यकर्ताओं के कंधों पर भाई-भतीजावाद का बोझ

अंबरनाथ-बदलापुर. अंबरनाथ और कुलगांव बदलापुर नगर निगम चुनाव के लिए फाइनल कैंडिडेट लिस्ट की घोषणा होते ही यह देखा गया है कि दोनों शहरों की राजनीति में एक बार फिर परिवारवाद ज़िंदा है। यह साफ़ है कि शिवसेना, BJP, कांग्रेस, ठाकरे की शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस जैसी हर पार्टी ने टिकट बंटवारे में अपने परिवार के दो से पांच सदस्यों को प्राथमिकता दी है। इससे यह तस्वीर सामने आई है कि आम कार्यकर्ताओं से ज़्यादा ज़रूरी 'परिवार' हो गया है।

कुलगांव बदलापुर नगर निगम चुनाव में शिंदे की शिवसेना के शहर प्रमुख वामन म्हात्रे के परिवार को करीब 6 उम्मीदवार मिले थे, इसलिए शिवसेना में भाई-भतीजावाद की चर्चा ज़ोरों पर थी। लेकिन, कैंडिडेट्स की फ़ाइनल लिस्ट आने के बाद बदलापुर में BJP, ठाकरे की शिवसेना, अंबरनाथ में शिंदे की शिवसेना, BJP, कांग्रेस, अजीत दादा की नेशनलिस्ट कांग्रेस जैसी सभी पार्टियों में नेपोटिज़्म देखने को मिला।

बदलापुर में BJP ने मेयर के साथ-साथ कॉर्पोरेटर के पद के लिए रुचिता घोरपड़े को मैदान में उतारा है, और उनके पति राजेंद्र घोरपड़े कॉर्पोरेटर के पद के लिए कैंडिडेट हैं। पूर्व डिप्टी मेयर शरद तेली और उनकी पत्नी कविता तेली मैदान में हैं। BJP जनरल सेक्रेटरी संभाजी शिंदे और उनकी पत्नी उर्मिला शिंदे मैदान में है. पूर्व कॉर्पोरेटर रमेश सोलसे को उनकी पत्नी हर्षदा सोलसे के साथ चुनाव लड़ रही है. पूर्व कॉर्पोरेटर्स की पत्नियों और बच्चों को मिले नॉमिनेशन की लिस्ट और भी लंबी है। राष्ट्रीय समाज पार्टी के रूपेश थोरात और उनकी पत्नी को भी राष्ट्रीय समाज पार्टी ने टिकट दिया है। ठाकरे की शिवसेना ने पलांडे कपल को मैदान में उतारा है।

अंबरनाथ शहर में, पूर्व मेयर मनीषा वालेकर, जो शिंदे की शिवसेना के शहर प्रमुख अरविंद वालेकर की पत्नी हैं, को मेयर पद के लिए सीधे तौर पर उम्मीदवार बनाया गया है। उनके बेटे निखिल और अरविंद वालेकर के भाई राजेंद्र वालेकर भी मैदान में हैं। शिंदे की शिवसेना से करुणा रसाल और उनके बेटे रोहन रसाल, शिवसेना से कुणाल और उनकी पत्नी अपर्णा भोईर को भी उम्मीदवार बनाया गया है।

BJP ने उनके भाइयों के परिवारों को मैदान में उतारा है जो शिवसेना के वालेकरों से अलग हो गए हैं। उस परिवार से पवन वालेकर और उनकी मां मीना वालेकर को उम्मीदवार बनाया गया है। BJP ने मेयर पद के लिए BJP के राज्य सचिव गुलाबराव करंजुले की बहू तेजश्री करंजुले को मैदान में उतारा है, और करंजुले के बेटे अभिजीत और पत्नी अल्पना करंजुले भी मैदान में हैं। कांग्रेस में नगराध्यक्ष पद की उम्मीदवार नूतन पाटिल हैं, जबकि उनके पति ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप पाटिल और बेटा विपुल भी मैदान में हैं। अजीत दादा की नेशनलिस्ट कांग्रेस में शहर प्रेसिडेंट सदाशिव पाटिल और उनके बेटे सचिन पाटिल मैदान में हैं। उनकी बहू अश्विनी सचिन पाटिल नगराध्यक्ष पद के लिए मैदान में हैं।

सभी पार्टियों में एक ही परिवार के एक से ज़्यादा सदस्यों को उम्मीदवारी मिलने के उदाहरण हैं। साथ ही, ऐसे उम्मीदवारों की लिस्ट भी लंबी है जो पहले के कॉर्पोरेटर, ऑफिस बेयरर, जो रिज़र्वेशन की वजह से चुनाव नहीं लड़ पाए और जिन्होंने अपने रिश्तेदारों को उम्मीदवारी दी है। कई पहले के कॉर्पोरेटर के बच्चों, पत्नियों, भाइयों और बहनों को पार्टी ने उम्मीदवारी दी है। इसलिए, ऐसा नेपोटिज़्म भी बना हुआ है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

असम में स्कूलों का हाल बुरा

शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ स्कूलों में विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और खेल मैदान जैसी बुनियादी सुविधाओं का होना बेहद जरूरी है। ये सुविधाएं एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण बनाती हैं, जो विद्यार्थियों को अच्छे से पढ़ाई करने में सहायक होता है। स्कूलों में इस व्यवस्था का अभाव न केवल पठन-पाठन को प्रभावित करता है, बल्कि छात्रों खासकर लड़कियों के पढ़ाई बीच में छोड़ने का कारण भी बनता है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में सरकारी स्तर पर स्कूलों में ढांचागत सुविधाएं मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, लेकिन वस्तुस्थिति आज भी संतोषजक नहीं है।

हाल में असम से आई एक खबर ने चिंता पैदा कर दी है कि राज्य के चार क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में एक हजार चार सौ सरकारी स्कूलों में पेयजल एवं शौचालय की सुविधा नहीं हैं। साथ ही अट्ठाईस हजार शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं। प्रदेश सरकार ने विधानसभा में यह जानकारी दी है। असम के मुख्यमंत्री अपने भाषणों में राज्य को अगले पांच वर्षों में एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और समग्र विकास करने के दावे करते हैं। मगर हकीकत यह है कि वहां के बहुत सारे स्कूलों का बुनियादी ढांचा अभाव और बदहाली का शिकार है।

देश भर में स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए सरकार ने मध्याह्न भोजन योजना लागू की है। मगर बच्चों को व्यापक स्तर पर शिक्षा से जोड़ने के लिए क्या नामांकन बढ़ाना ही काफी है? क्या इसके लिए स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का होना जरूरी नहीं है? ये ऐसे सवाल हैं, जिन पर शासन और प्रशासन के स्तर पर विचार तो किया गया, योजनाएं-परियोजनाएं भी बनीं, लेकिन धरातल पर उनका नतीजा लक्ष्य से काफी पीछे नजर आ रहा है।

केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष नवंबर में एक मामले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में शपथपत्र दायर कर बताया था कि देश में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों सहित 97.5 फीसद से अधिक स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है। मगर सिर्फ ढांचा खड़ा कर देना ही सुविधा नहीं है। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि उसका बेहतर रखरखाव हो, ताकि विद्यार्थी उस सुविधा को सुलभ और निर्बाध रूप से इस्तेमाल कर सकें।

सभी समझें संविधान का सामर्थ्य, न होने पाए मनमानी व्याख्या

पिछले दिनों संसद के सेंट्रल हाल से लेकर अन्य स्थानों पर जो संविधान दिवस मनाया गया, उसकी शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 से की थी। उन्होंने संविधान दिवस मनाना इसलिए आवश्यक समझा, ताकि देशवासी उसके मूल्यों और महत्ता से परिचित हो सकें। आज यदि भारत एक सफल लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है तो इसके पीछे एक बड़ा योगदान हमारे संविधान का है।

संविधान की शक्ति ने ही देश को एकसूत्र में बांधकर रखा है। संविधान एक लंबी और श्रमसाध्य प्रक्रिया का परिणाम था। संविधान एक जीवंत दस्तावेज है और उसमें देश, काल और परिस्थितियों के अनुरूप संशोधन करने की गुंजाइश है। इसीलिए उसमें अब तक सौ से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं। ये संशोधन सभी दलों की सरकारों ने किए हैं। यह स्पष्ट ही है कि आगे भी आवश्यकतानुसार संशोधन होते रहेंगे, लेकिन यह विचित्र है कि पिछले कुछ समय से कई विपक्षी नेता उसे पत्थर की लकीर की तरह पेश करने में लगे हुए हैं।

वे संविधान खतरे में है का शोर मचाते हैं। सबसे अधिक शोर कांग्रेस नेता राहुल गांधी मचा रहे हैं। वे संकीर्ण राजनीतिक कारणों से ऐसा कर रहे हैं। संविधान को खतरे में दिखाने के लिए वे जब-तब उसकी प्रति लहराते रहते हैं। यह एक शिगूफा ही है, क्योंकि वे उसी संविधान की ताकत से सांसद और नेता विपक्ष हैं, जिसे खतरे में बताते हैं। वे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को भी निशाने पर लिए हुए हैं, जो मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर

का अपना संवैधानिक काम कर रहा है। सच तो यह है कि यह राहुल गांधी ही हैं, जो संविधान को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

संविधान की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका उपयोग उसकी भावना के अनुरूप किया जाता है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अतीत में संविधान का दुरुपयोग और उसका मनमाना इस्तेमाल किया गया। 1975 में जब देश पर आपातकाल थोपा गया तो न केवल उसका निरादर किया गया, बल्कि उसका मनचाहा इस्तेमाल भी किया गया।

जब भी संविधान का इस्तेमाल मनमाने तरीके से किया जाएगा, उसकी शक्ति क्षीण होगी। यदि राजनीतिक दल अपने स्वार्थों के लिए संविधान का इस्तेमाल करेंगे तो इससे कहीं न कहीं जनता के हितों की भी अनदेखी होगी। यह किसी से छिपा नहीं कि इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए संविधान की अनदेखी कर जो आपातकाल लगाया, उसके दुष्परिणाम आम जनता को भी भोगने पड़े। संविधान की सार्थकता बढ़ाने के लिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी कार्य संविधानसम्मत ढंग से हों। यह भी आवश्यक है कि संविधान के प्रविधानों की मनमानी व्याख्या को रोका जाए। अपने देश में किस तरह संवैधानिक मामलों की मनचाही व्याख्या होती रहती है, इसका एक उदाहरण है आरक्षण। आरक्षण सामाजिक रूप से कमजोर-पिछड़े तबके के उत्थान के लिए संविधानप्रदत्त व्यवस्था है। इस तबके के उत्थान और उसे मुख्यधारा में लाने के लिए आरक्षण को आगे भी जारी रखने की आवश्यकता है, लेकिन उसे वोट बैंक का हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए और न ही समाज को अगड़े-पिछड़े में बांटने वाली वैमनस्य की राजनीति की जानी चाहिए। दुर्भाग्य से आज ऐसा ही हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ समय पहले एससी-एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण को मान्यता देते हुए यह सुझाव दिया था कि सरकारों को इन वर्गों में क्रीमी लेयर की पहचान कर उन्हें आरक्षण से बाहर करने की नीति विकसित करनी चाहिए।

कुछ राज्यों ने एससी-एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण को तो लागू किया, लेकिन कोई सरकार क्रीमी लेयर की नीति बनाने के लिए तैयार नहीं दिख रही है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कुछ दिन पहले एक बार फिर इसकी आवश्यकता जताई तो इसीलिए, क्योंकि यह ठीक नहीं कि आरक्षण का लाभ ले चुके लोग आगे भी उसका निरंतर लाभ उठाते रहें।

जितना अधिक हम प्रभु के और अपनी आत्मा के नजदीक आते हैं, उतना ही अधिक हम दूसरों की तकलीफों के प्रति करुणा से भर जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ऑनलाइन अश्लील सामग्री से कैसे बचेंगे बच्चे?

पिछले कुछ समय से इंटरनेट की असीमित दुनिया में पसरी वैसी सामग्री को लेकर एक व्यापक चिंता पैदा हुई है, जो बच्चों और किशोरों के व्यक्तित्व पर नकारात्मक असर डालती है, उनके सोचने-समझने की दिशा को बुरी तरह प्रभावित करती है। इसके मद्देनजर दुनिया के कई देशों ने अपने स्तर पर ऐसे नियम-कायदे भी बनाए हैं, जिनके जरिए सोशल मीडिया और इस तरह के अन्य इंटरनेट मंचों तक बच्चों और किशोरों की पहुंच को सीमित किया गया। भारत में भी इस मसले पर चिंता के स्वर उभरे हैं कि व्यापक उपयोगिता के समांतर इंटरनेट की निर्बाध दुनिया में मौजूद आपत्तिजनक सामग्री को लेकर एक ठोस नियमन हो, ताकि नाबालिगों को उसके नकारात्मक असर से बचाया जा सके।

इसके अलावा, अगर कोई व्यक्ति अपने सोशल मीडिया खाते या वीडियो चैनल पर किसी तरह की आपत्तिजनक सामग्री तैयार करके जारी करता है, तो उसे रोकने को लेकर नियम-कायदे की भी कमी है। यही वजह है कि किशोरों या नाबालिगों सहित इंटरनेट की सुविधा रखने वाला हर व्यक्ति अलग-अलग मंचों पर उपलब्ध अश्लील या आपत्तिजनक सामग्री तक भी आसान पहुंच रखता है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने

गुरुवार को कहा कि इस संबंध में एक स्वायत्त नियामक संस्था के गठन की जरूरत है, जो इस पर लगाम लगा सके। एक मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सुझाव के तौर पर यह भी कहा कि इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील या वयस्क प्रकृति की सामग्री को बच्चों से दूर रखने के लिए आधार नंबर से उम्र की पुष्टि करने पर विचार किया जाना चाहिए। इसमें कोई दोराय नहीं कि नई तकनीक और प्रौद्योगिकी के तेजी से विस्तार के दौर में आसपास की दुनिया और व्यवस्थागत ढांचे में भी व्यापक बदलाव आ रहे हैं। रोजगार से लेकर पढ़ाई-लिखाई और मनोरंजन जैसी जरूरतों के लिए इंटरनेट पर निर्भरता का दायरा बहुत ज्यादा बढ़ा है।

मुश्किल यह है कि जिस साइबर संसार ने जीवन को आसान बनाया है और अध्ययन तथा शोध से संबंधित मामलों में अपनी उपयोगिता साबित की है, उसी में ऐसी सामग्री का असीमित भंडार भी है, जिसे समाज के लिए नुकसानदेह माना जाता है। ओटीटी मंचों, यूट्यूब या फिर सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो भरे पड़े हैं, जिन्हें आपत्तिजनक और अश्लील सामग्री की श्रेणी में रखा जा सकता है और जो बच्चों के लिए नुकसानदेह हैं।

आस्ट्रेलिया और डेनमार्क जैसे देशों ने सोशल मीडिया तक अपने यहां के नाबालिगों की पहुंच को सीमित करने के लिए नियम-कायदे बनाए हैं, तो इसके पीछे यही चिंता है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की यह राय गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर उम्र की जांच के लिए आधार नंबर का उपयोग किया जा सकता है। मगर एक पहलू यह भी है कि आधार नंबर की संवेदनशीलता और उसके जोखिम के मद्देनजर उसे सभी जगहों पर न देने की सलाह दी जाती है।

ऐसे में अगर साइबर संसार का कोई मंच उम्र की पुष्टि के लिए किसी व्यक्ति का आधार और उससे जुड़े ब्योरे लेता है, तो यह कैसे सुनिश्चित होगा कि उसका किसी भी तरह से दुरुपयोग न हो। जाहिर है, इंटरनेट की व्यापक दुनिया के कुछ नुकसानों को देखते हुए नियमन के लिए एक ढांचा खड़ा करने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत होगी कि इसके नाम पर लोकतंत्र तथा अभिव्यक्ति के अधिकार को चोट न पहुंचे और वह लोगों की स्वस्थ, आलोचनात्मक और जनतांत्रिक चेतना को बाधित न करे।

सीट बेल्ट पर क्यों होता है ये छोटा बटन?

जरा हट के

कभी न कभी आप कार में तो जरूर बैठे होंगे और सीट बेल्ट भी लगाई होगी. आपने गौर किया होगा कि उस सीट बेल्ट पर एक प्लास्टिक का बटन होता है. ये कोई दबने वाला बटन नहीं है. मगर उसका काम बेहद जरूरी होता है. हाल ही में एक एक्सपर्ट ने इस बटन का असल काम बताया जिसके बारे में शायद ही लोग जानते होंगे.

कार में कई फीचर्स ऐसे होते हैं जिन पर हमारी नज़र शायद ही कभी पड़ती है. इनमें एक छोटा-सा प्लास्टिक बटन भी शामिल है, जो हर सीट बेल्ट पर लगा होता है. दिखने में मामूली लेकिन काम में बेहद जरूरी! इस बटन की अहमियत तब समझ आती है जब यह गायब हो जाए. Reader's Digest की एक रिपोर्ट में इस बटन के बारे में खास जानकारी दी गई है. ऑटोमोबाइल सेफ्टी एक्सपर्ट थॉमस बार्थ ने इस बटन के बारे में ऐसी बातें बताई

हैं, जिसके बारे में शायद ही कोई जानता होगा.

लैच को सही जगह रखने के लिए होता है यह बटन

थॉमस बार्थ 20 साल से ऑटोमोबाइल और एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री में ऑक्यूपेंट सेफ्टी से जुड़े रहे हैं. उन्होंने बताया कि ये छोटा बटन असल में लैच प्लेट को सही स्थान पर पकड़कर रखने का काम करता है. अगर ये बटन न हो, तो हर बार कार में बैठते समय आपको लैच प्लेट को सीट या फर्श से उठाना पड़ेगा, जो बेहद असुविधाजनक होता. कार निर्माता कंपनियों ने इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए सीट बेल्ट पर यह स्टॉप बटन, सीट बेल्ट स्टॉपर या रिटेंशन बटन लगाना शुरू किया. इसका काम है लैच प्लेट को नीचे सरकने से रोकना, ताकि वह हमेशा आपकी पकड़ में रहे और आसानी से बेल्ट लगाने में मदद करे.

मटर की कचौड़ी

■ सामग्री

कचौड़ी की जान उसकी फीलिंग होती है। इसके लिए, एक कप ताजी मटर को हल्का उबाल लें या मिक्सी में दरदरा पीस लें। ध्यान रखें कि पेस्ट बहुत महीन न हो। एक कड़ाही में थोड़ा तेल गरम करें और उसमें हींग और जीरा डालें। अब इसमें अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट डालकर कुछ सेकंड भूनें। इसके बाद मटर का पेस्ट डालें। अब बारी है मसालों की- धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर, अमचूर, गरम मसाला और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को तब तक पकाएं जब तक कि इसका सारा पानी सूख न जाए और यह थोड़ा सूखा और भुरभुरा न हो जाए। आपकी स्वादिष्ट फीलिंग तैयार है।

■ बनाने की विधि

तैयार आटे को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें और हर हिस्से को कटोरी का आकार दें। कटोरी के बीच में मटर की फीलिंग का एक चम्मच भरकर किनारों को एक साथ लाकर अच्छी तरह बंद कर दें ताकि तलते समय फीलिंग बाहर न निकले। अब इसे हल्के हाथ से, बहुत ज्यादा जोर न देते हुए, छोटी

और मोटी पूड़ी के आकार में बेल लें। याद रखें, कचौड़ी पूड़ी से थोड़ी मोटी रखी जाती है।

एक कड़ाही में तेल मध्यम आंच पर गरम करें। जब तेल हल्का गरम हो जाए, तो कचौड़ियों को धीमी से मध्यम आंच पर तलें। कचौड़ियों को धीमी आंच पर तलना ही सबसे बड़ा सीक्रेट है, इससे वे अंदर तक पकती हैं और बेहद खस्ता बनती हैं। जब कचौड़ियां सुनहरी और करारी हो जाएं, तो उन्हें तेल से निकाल लें।

इसके बाद, गरमागरम मटर कचौड़ी को हरी चटनी, इमली की मीठी चटनी या आलू की सब्जी के साथ परोसें। यकीन मानिए, इसकी पहली बाइट लेते ही आपको एहसास होगा कि स्वाद ऐसा है कि आप एक नहीं, दो नहीं, खाते-खाते गिनती ही भूल जाएंगे।

बच्चों को रोज कराएं सिर्फ 10 मिनट का मेडिटेशन

गुस्सा होगा कंट्रोल, याददाश्त में भी होगा सुधार

आज की डिजिटल वाली भागदौड़ भरी दुनिया में बच्चे सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि कई तरह के दबावों से घिरे रहते हैं। फिर चाहे वह स्कूल का होमवर्क हो, परीक्षा का स्ट्रेस, खेल-कूद का प्रेशर या फिर मोबाइल और टीवी का अधिक इस्तेमाल। ऐसे माहौल में बच्चों का मन अशांत और भटकने लगता है, जिससे उनकी एकाग्रता, स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन पर असर पड़ता है। ऐसी स्थिति में, ध्यान यानी मेडिटेशन एक ऐसा प्रभावी उपाय है, जो बच्चों के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक विकास के लिए बेहद लाभकारी है। रोजाना कुछ मिनट ध्यान करने से उनके जीवन में कई पॉजिटिव बदलाव आ सकते हैं। आइए जानें कुछ अहम कारण जिनसे बच्चों को हर दिन मेडिटेशन जरूर करना चाहिए।

■ फोकस होता है बेहतर

ध्यान बच्चों के दिमाग को शांत करता है, जिससे वे पढ़ाई, खेल या किसी भी काम में अधिक फोकस कर पाते हैं। यह उनकी सीखने की क्षमता को बढ़ाता है।

■ स्ट्रेस और एंग्जायटी में कमी

परीक्षा, प्रोजेक्ट या कॉम्पटीशन का प्रेशर बच्चों में स्ट्रेस पैदा करता है। ध्यान करने से मन शांत होता है और चिंता कम होती है, जिससे वे आत्मविश्वास से आगे बढ़ते हैं।

■ भावनाओं पर नियंत्रण

ध्यान बच्चों को अपनी भावनाओं को समझने और नियंत्रित करने की क्षमता देता है। इससे गुस्सा, रोना या चिड़चिड़ापन

काफी कम हो जाता है।

■ पॉजिटिव सोच का विकास

मेडिटेशन मन में पॉजिटिव एनर्जी भरता है, जिससे बच्चे आत्मविश्वासी बनते हैं और कठिन परिस्थितियों का सामना मुस्कुराकर करते हैं।

■ क्रिएटिविटी बढ़ती है

जब मन शांत होता है, तो सोचने-समझने की क्षमता बढ़ती है। ध्यान बच्चों की कल्पनाशक्ति को जगाता है, जिससे वे पढ़ाई के साथ-साथ कला, संगीत और खेल में भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

■ नींद की गुणवत्ता में सुधार

ध्यान करने से मन का स्ट्रेस घटता है और बच्चे जल्दी सो पाते हैं। अच्छी और गहरी नींद उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है।

■ सीखने की क्षमता में बढ़ोतरी

ध्यान मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ाता है, जिससे याददाश्त मजबूत होती है और पढ़ाई में बेहतर रिजल्ट मिलते हैं।

■ फिजिकल हेल्थ को फायदा

ध्यान के दौरान गहरी सांस लेने से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे इम्यून पॉवर मजबूत होती है और एनर्जी का लेवल ऊंचा रहता है।

■ अनुशासन और अच्छे संस्कार

नियमित ध्यान से बच्चों में धैर्य, अनुशासन और आत्मनियंत्रण जैसे गुण विकसित होते हैं, जो उन्हें एक जिम्मेदार और संवेदनशील इंसान बनाते हैं।

रोज सिर्फ 5–10 मिनट ध्यान करने से बच्चों की पर्सनेलिटी, हेल्थ और मानसिक संतुलन सभी मजबूत होते हैं। यह एक ऐसी आदत है जिसे उनके पेरेंट्स को अपने बच्चों की दिनचर्या में जरूर शामिल करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष : आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है।

वृषभ : नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रयास करें। कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी।

मिथुन : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। मातहतों का सहयोग मिलेगा। कर्ज की रकम चुका पाएंगे। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। आलस्य न करें। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क : व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा। प्रसन्नता रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। वाणी पर संयम रखें। अनहोनी की आशंका रहेगी।

सिंह : व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है।

कन्या : निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। मनोरंजन का वक्त मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

तुला : व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। शत्रुओं का पराभव होगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक : प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। लाभ लें। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु : लाभ होगा। लाभ में कमी रह सकती है। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आलस्य न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें।

मकर : व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यवसाय में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। किसी अपने का व्यवहार दुःख पहुंचाएगा। कानूनी समस्या हो सकती है।

कुंभ : प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रमाद न करें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है।

मीन : रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। थकान महसूस हो सकती है। आलस्य हावी रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पालक, बथुआ, सरसों का साग धोने का बेहद आसान तरीका

खाते समय मुंह में नहीं लगेगा किरकिरापन

सर्दियों के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियों से सब्जी मार्केट हरा-भरा सा दिखने लगता है. ढेरों वेरायटी में हरी पत्तेदार सब्जियां बिकने लगती हैं. ताजा पालक, बथुआ, मेथी, सरसों, सहजन आदि कई तरह के साग मिलने शुरू हो जाते हैं. ये इतने पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट होते हैं कि पूछिए मत. जिन लोगों को साग खाना पसंद है, वे हर दिन इसे बनाकर खाना पसंद करते हैं. हां, साग के साथ एक समस्या इन्हें काटने, धोने में आती है, क्योंकि इन पत्तों में मिट्टी चिपके होते हैं. कीड़े भी होते हैं. ऐसे में इन्हें पानी में सही से साफ न किया तो फिर खाने में मुंह में किरकिरा सा महसूस होता रहता है. इन साग को धोने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए. सिर्फ एक या दो बार धोने से काम नहीं चलेगा, बल्कि साग धोने का सही तरीका आपको जरूर आना चाहिए.

मास्टर शेफ पंकज भदौरिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे साग धोने का सही तरीका बता रही हैं. तो चलिए जानते हैं किस तरह से पालक, सरसों, बथुआ या फिर कोई भी साग को काटने, पकाने से पहले धोना चाहिए.

■ हरी पत्तेदार सब्जियों को साफ करने का तरीका

आपने पालक, सरसों, बथुआ या फिर कोई भी साग खरीदा है और इसमें मिट्टी काफी लगी हुई है तो सिर्फ एक-दो बार पानी से धोने से काम नहीं चलेगा. यदि अधिक मात्रा में साग है तो आप एक बड़ा सा बर्तन लें. इस बर्तन में पानी भर लें. इन पत्तेदार सब्जियों को धोने का सही तरीका है कि आप उन्हें एक पानी से भरे कटोरे में डुबाकर रखें. फिर हाथों से पकड़ कर साग को ऊपर उठाएं. अब पानी को गिरा दें. उसमें साफ पानी डालें और फिर से साग को पानी में डुबाएं.

पत्तों के पानी में रहते हुए कभी भी पानी न बहाएं. जब आप साग को डायरेक्ट हाथों से पकड़कर ऊपर की तरफ उठाते हैं तो इससे धूल-मिट्टी पानी में सतह पर ही रह जाती है. यदि साग को कटोरे में रखे ही पानी गिराने लगेंगे तो दोबारा से मिट्टी पत्तों में लग सकती है.

पुराने चावल में छिपा है सेहत

■ आयुर्वेद भी देता है इसे खाने की सलाह, जानें क्यों?

किन लोगों को पुराना चावल नहीं खाना चाहिए...

यदि आपको कोई शारीरिक समस्या है, चावल खाने से परहेज करते हैं तो डॉक्टर से सलाह लेकर सेवन करें. कुछ खास स्वास्थ्य स्थितियों में इसका सेवन हानिकारक हो सकता है. डायबिटीज के मरीजों को चावल बिल्कुल नहीं खाना चाहिए, क्योंकि ये शुगर लेवल को तेजी से बढ़ाता है. आपको पुराना या नया चावल, जो भी खाना है, डॉक्टर से सलाह लेकर ही खाएं. वजन भी लगातार बढ़ रहा है तो चावल बेहद कम मात्रा में खाएं. चावल में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है. अधिक खाने से कैलोरी बढ़ती है, जिससे वेट गेन हो सकता है.

देश में चावल एक मुख्य भोजन में शामिल है. गरमा-गरम चावल-दाल खाने के लिए मिल जाए तो मूड खुश हो जाता है. रोटी की बजाय काफी लोगों को चावल खाना पसंद होता है. हालांकि, मार्केट से आजकल ज्यादातर लोग नया चावल खरीद कर लाते हैं, क्योंकि इसमें चमक होती है. इसकी खुशबू बेहद अच्छी होती है. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि नए चावल से भी कहीं अधिक पुराना चावल सेहत के लिए अच्छा होता है? आयुर्वेद में पुराने चावल को सेहत का खजाना कहा जाता है. चलिए जान लेते हैं कैसे पुराना चावल सेहत के लिए बेस्ट है.

पुराना चावल खाने के फायदे

-भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, आयुर्वेद में पुराने चावल को खाने की सलाह दी गई है, क्योंकि ये नए चावल से अधिक फायदे सेहत को पहुंचाता है. ऐसे में आप कम से कम एक साल पुराना चावल तो जरूर खाएं.

-आयुर्वेद के अनुसार, यदि पुराने चावल को सही तरीके से स्टोर किया जाए तो इसमें नमी कम नहीं होती है. नमी कम होने के कारण इसे पचाना आसान हो जाता है. खाने के बाद पेट भारी महसूस नहीं होता. वहीं, नए चावल में अधिक नमी होने के साथ ही स्टार्च भी होता है, जिससे कुछ लोगों को गैस, ब्लोटिंग, भारीपन, अपच आदि समस्याएं होने लगती हैं. पुराना चावल हल्का और सुपाच्य होता है.

-पुराने चावल का एक और फायदा ये है कि ये पकता अच्छी तरह से है. पकाते समय इसके दाने एक-दूसरे से चिपकते नहीं. इस चावल से आप जो भी बनाएं, पुलाव, सिंपल राइस, खिचड़ी सभी फूले-फूले और स्वादिष्ट बनते हैं. आयुर्वेद में इसे 'लघु' (हल्का) और 'स्निग्ध' (चिकना) माना गया है, जो वात-पित्त दोषों को संतुलित करता है.

-यदि आपको कब्ज की समस्या रहती है तो आप पुराना चावल खाएं. गर्मियों और बारिश में नए चावल की बजाय पुराने चावल का सेवन करना अधिक लाभदायक है. नए चावल में नमी अधिक होती है और इससे फंगल इंफेक्शन होने का खतरा रहता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मां की गोद में सो रहे मासूम को छीन ले गया तेंदुआ, निवाला बना गांव के बाहर छोड़ा शव

बलरामपुर. बलरामपुर में एक मासूम बच्चे पर तेंदुए ने हमला कर दिया। मासूम को जंगली जानवर उसकी मां की गोद से छीनकर ले गया। बताया जा रहा है कि सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग के बनकटवा रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत नेवलगंज के मजरे रेहारपुरवा झौहना गांव में बीती रात तेंदुआ ने मां के गोद से मासूम को छीनकर मार डाला। मासूम का शव बरामद हो गया है। मामले में जानकारी देते हुए हरैया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरहवा के मजरे गुरदास पुरवा निवासिनी चनावती ने बताया कि वह रेहारपुरवा गांव में अपने नंदोई भगवत राम के यहां मांगलिक कार्यक्रम लड़की के गौना में शामिल होने आई थी। शनिवार रात करीब 2 बजे वह अपने डेढ़ वर्षीय मासूम रोहित के साथ घर में लेटी थी, अचानक तेंदुआ घर में घुस आया। गोद में सो रहे मासूम रोहित को जबड़े में दबोचने लगा, मां की आंख खुली तो सामने तेंदुए को देख कर शोर मचाने लगी। जब तक परिजनों को जानकारी होती, तेंदुआ बच्चे को खींच कर भाग निकला। गांव के पश्चिम में करीब डेढ़ सौ मीटर दूर मासूम की लाश मिली। मामले में जांच की जा रही है। गांव वालों को जानवर से सतर्क रहने के लिए कहा गया है। वन विभाग जानवर को खोजने में लगा है।

कफ सिरप तस्करी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

सोनभद्र. कफ सिरप के मास्टरमाइंड को सोनभद्र पुलिस ने रविवार को कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। वह विदेश भागने की फिराक में था। मास्टरमाइंड भोला प्रसाद जायसवाल ड्रग माफिया शुभम जायसवाल का पिता है। भोला प्रसाद जायसवाल चंदौली, जौनपुर और गाजीपुर में भी वांछित था। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में गठित सोनभद्र पुलिस, एसआईटी व एसओजी टीम सोनभद्र ने रविवार को कोलकाता एयरपोर्ट से कफ सिरप के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया। भोला प्रसाद जायसवाल ए-924/जे, कायस्थ टोला, प्रहलाद घाट, आदमपुर, जनपद वाराणसी का निवासी है। पुलिस ने उसे उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह विदेश भागने की तैयारी में था। गिरफ्तारी के उपरांत पुलिस ने कोलकाता में ट्रांजिट रिमांड के लिए न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर सोनभद्र लाया जाएगा।

झाड़ियों के पास मिला महिला का अधजला शव, शव के कई हिस्से थे गायब

गोंडा. गोंडा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। धानेपुर थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत रेतवागाड़ा के सुनसान इलाके में एक महिला का अधजला शव मिला है। शव के कई हिस्से गायब थे। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। गांव में बिसुही नदी के किनारे झाड़ियों से घिरा ऊंचवा दम्मरिया के पास रविवार को दोपहर में उस समय सनसनी फैल गई, जब ग्रामीणों ने झाड़ियों के पास एक अज्ञात महिला का अधजला शव पड़ा देखा। बताया जाता है कि शव आधा अधूरा है और शव की हालत बुरी तरह जली हुई होने के कारण उसकी उम्र, पहचान और घटना के वास्तविक समय का निर्धारण फिलहाल कठिन बताया जा रहा है।

गर्लफ्रेंड पाने के लिए वशीकरण के चक्कर में हत्या

कानपुर. कानपुर में एक हत्याकांड का खुलासा हो गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके हत्याकांड का खुलासा किया। एक मामूली झगड़े के बाद आरोपी ने युवक को मौत के घाट उतार दिया था। मृतक ने आरोपी को तंत्र-मंत्र करने के लिए मौटी रकम दी थी। लेकिन इसके बाद दोनों के बीच लड़ाई हुई और फिर हाथापाई में आरोपी ने पीड़ित पर चाकू से वारकर उसे मौत के घाट उतारा। इसके बाद आत्महत्या का रूप देकर वहां से फरार हो गया। आरोपी को पकड़कर पुलिस ने जेल भेज दिया है। कानपुर देहात में एक व्यापारी की हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि हत्या तंत्र-विद्या के चक्कर में हुई थी। मृतक प्रेमिका का वशीकरण करना चाहता था। इसके लिए उसने तंत्र विद्या का सहारा लिया और आरोपी को तंत्र विद्या करने के लिए रकम दी। बताया जा रहा है कि मृतक की प्रेमिका की शादी हो गई थी। इसी के बाद उसने तंत्र विद्या का सहारा लिया।

विंटर सेशन में ठंडे दिमाग से काम की उम्मीद

- रिजिजू ने SIR पर कहा- मैं EC का प्रवक्ता नहीं
- आज से सत्र, सर्वदलीय बैठक हुई

नई दिल्ली. आज 1 दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। इस मीटिंग में विपक्ष के सभी सीनियर लीडर शामिल हुए।

पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर किरेन रिजिजू ने कहा- हम विपक्षी पार्टियों की बात सुनेंगे। यह विंटर सेशन है, हम उम्मीद करते हैं कि सब लोग ठंडे दिमाग से काम करेंगे और गरमागरम बहस से बचेंगे। पार्लियामेंट में एक सार्थक चर्चा होगी, कोई डिस्टर्बेंस नहीं होगा। अगर हम ठंडे दिमाग से काम करेंगे, तो यह देश के लिए फायदेमंद होगा और पार्लियामेंट सेशन आसानी से चलेगा।

SIR मुद्दे पर रिजिजू ने कहा- मैं यह नहीं कह सकता कि हम चर्चा के लिए कौन से मुद्दे लाएंगे। इलेक्शन कमीशन अपना काम करता है। मैं इलेक्शन कमीशन का स्पोक्सपर्सन नहीं हूं।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन में पूरे सत्र के दौरान 15 बैठकें होंगी। एटॉमिक एनर्जी बिल समेत 10 नए बिल पेश हो सकते हैं। उधर विपक्ष SIR मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगी।

इस बार संसद का शीतकालीन सत्र (विंटर सेशन) 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन में पूरे सत्र के दौरान 15 बैठकें होंगी। इससे पहले 21 जुलाई से 21 अगस्त तक संसद का मानसून सत्र चला था। सत्र के पहले दिन राज्यसभा के तत्कालीन उपसभापति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। फिर पूरा सत्र बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया था। मानसून सत्र में कुल 21 बैठकें हुईं।

लोकसभा में 120 घंटे चर्चा का समय निर्धारित था, लेकिन सिर्फ 37 घंटे कार्यवाही चली। राज्यसभा में सिर्फ 41 घंटे चर्चा हुई। लोकसभा-राज्यसभा में कुल 27 बिल पास हुए। गिरफ्तार PM-CM को हटाने वाला संविधान संशोधन बिल सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। इसे जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव पारित हुआ।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग ला सकता है विपक्ष

संसद के शीतकालीन सत्र में I.N.D.I.A. ब्लॉक मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग ला सकता है। 18 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर I.N.D.I.A. ब्लॉक की बैठक हुई थी।

बैठक के बाद कांग्रेस, TMC, सपा, DMK, राजद समेत 8 विपक्षी दलों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें TMC महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा- संसद के मौजूदा सत्र (मानसून सत्र) में 3 दिन बाकी हैं। महाभियोग लाने के लिए 14 दिन पहले नोटिस देना जरूरी है। CEC के रवैये को देखते हुए हम अगले सत्र (शीतकालीन सत्र) में नोटिस देंगे। दरअसल, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 7 अगस्त को चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाए थे। 17 अगस्त को CEC ज्ञानेश कुमार ने कहा था- राहुल वोट चोरी के आरोपों पर हलफनामा दें या देश से माफी मांगे।

नेशनल हेराल्ड केस

सोनिया और राहुल पर नई एफआईआर

- AJL कंपनी को धोखाधड़ी से हासिल करने का आरोप

नई दिल्ली. दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नई FIR दर्ज की है। इसमें उनके अलावा छह अन्य लोगों और तीन कंपनियों के नाम शामिल हैं। ये तीन कंपनियां हैं- AJL, डोटेक्स मर्चेंडाइज और यंग इंडियन। इन सभी पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) को धोखाधड़ी से हासिल करने का आरोप है। शिकायत के मुताबिक, 2010 में AJL के पास करीब 2,000 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां थीं। कोलकाता की डोटेक्स मर्चेंडाइज ने यंग इंडियन को 1 करोड़ रुपए दिए, जिसके बाद यंग इंडियन ने कांग्रेस को 50 लाख रुपए चुकाकर AJL पर नियंत्रण हासिल किया। यंग इंडियन में राहुल और सोनिया गांधी की 76% हिस्सेदारी है।

FIR 3 अक्टूबर को ED की हेडक्वार्टर्स इन्वेस्टिगेशन यूनिट (HIU) की शिकायत पर दर्ज की गई थी। ED ने 2008 से 2024 तक की अपनी जांच रिपोर्ट साझा की थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई हुई। इसकी जानकारी शनिवार को सामने आई।

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस जल्द ही AJL के शेयरधारकों को तलब कर सकती है, ताकि यह पता चले कि क्या इस ट्रांसफर से पहले कांग्रेस ने उनसे अनुमति ली थी। कांग्रेस ने आरोपों को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है और कहा है कि उन्हें FIR की जानकारी नहीं है।

BLO को मिलेगी डबल सैलरी

- चुनाव आयोग का ऐलान

नई दिल्ली. चुनाव आयोग ने बूथ लेवल ऑफिसर्स की सैलरी 6000 से बढ़ाकर 12000 रुपए सालाना कर दी है। इसके अलावा वोटर रोल तैयार करने और उनमें बदलाव करने वाले BLO सुपरवाइजर की सैलरी भी 12000 से बढ़ाकर 18000 रुपए कर दी गई है। जिस सरकारी कर्मचारी को BLO का काम दिया गया है उसे यह पैसा उसकी सैलरी के अलावा अलग से दिया जाता है।

आयोग ने शनिवार को जारी एक रिलीज में कहा कि पिछला ऐसा बदलाव 2015 में किया गया था। पहली बार इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (EROs) और असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (AEROs) को भी मानदेय दिया जाएगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही मौजूदा SIR प्रक्रिया में कुल 5.32 लाख BLO काम कर रहे हैं। हर एक BLO के पास करीब 956 वोटर्स के लिस्ट रिवीजन का काम है।

SIR के लिए स्पेशल इंसेंटिव भी मिलेगा

चुनाव आयोग ने लिखा है- प्योर इलेक्टोरल रोल डेमोक्रेसी की नींव हैं। इलेक्टोरल रोल मशीनरी, जिसमें इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (EROs), असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (AEROs), BLO सुपरवाइजर और बूथ लेवल ऑफिसर (BLOs) शामिल हैं। ये सभी बहुत मेहनत करते हैं और बिना किसी भेदभाव के और ट्रांसपेरेंट इलेक्टोरल रोल तैयार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए कमीशन ने BLOs की सालाना सैलरी दोगुनी करने और इलेक्टोरल रोल तैयार करने और उनमें बदलाव करने वाले BLO सुपरवाइजर की सैलरी बढ़ाने का फैसला किया है। आयोग ने लिखा कि कमीशन ने बिहार से शुरू होने वाले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के लिए BLOs के लिए 6,000 रुपए के स्पेशल इंसेंटिव को भी मंजूरी दी है।

SIR की डेडलाइन 7 दिन बढ़ाई गई

- 12 राज्यों में वोटर वेरिफिकेशन 11 दिसंबर तक चलेगा

नई दिल्ली. चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ा दी है। आयोग ने शनिवार को कहा कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

दरअसल बिहार के बाद देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में SIR 28 अक्टूबर से शुरू हुआ है। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े जाएंगे और वोटर लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा।

SIR प्रक्रिया को लेकर लगातार विपक्ष हमलावर हैं। कांग्रेस ने प्रक्रिया के दौरान काम के दबाव के चलते जान गंवाने वाले BLO की मौत को मर्डर बताया था। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा था कि 20 दिनों में 26 BLOs की मौत दिनदहाड़े मर्डर जैसी है। सुप्रिया ने गोंडा के BLO विपिन यादव का जिक्र करते हुए कहा कि उनके परिवार ने बताया है कि उन पर वोटर लिस्ट से पिछड़े वर्ग के लोगों के नाम हटाने का दबाव था।

सुप्रिया ने कहा था कि यह कोई कहानी नहीं बल्कि देश के सामने एक कड़वा सच है।

इतनी जल्दी क्या है? थोड़ा समय लेकर SIR करवाओ। SIR का मामला कोई छोटा मामला नहीं है। यह वोट चोरी का सबसे ताकतवर तरीका है, और इसीलिए इसका इतने खुलेआम इस्तेमाल किया जा रहा है।

एक्टिव सिम से ही चलेंगे वॉट्सएप-टेलीग्राम-स्नैपचैट

- सिम हटाई तो एप बंद
- कम्प्यूटर पर भी हर 6 घंटे में लॉगआउट;
- दावा- साइबर फ्रॉड घटेगा

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने शनिवार को मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स को लेकर नया आदेश जारी किया है। वॉट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल, स्नैपचैट, शेयरचैट, जियोचैट, अराटाई और जोश जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स मोबाइल में एक्टिव सिम कार्ड के बिना नहीं चल पाएंगे। सरकार का दावा है कि इससे साइबर धोखेबाजों का पता लगाने में मदद मिलेगी।

दूरसंचार विभाग के आदेश में कहा गया है कि मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स यह तय करें कि एप तभी चलेगा, जब यूजर की रजिस्टर्ड सिम उस मोबाइल में एक्टिव होगी। इतना ही नहीं 'सिम बाइंडिंग' के

तहत अगर मोबाइल से सिम निकाल ली जाती है तो वॉट्सएप और बाकी दूसरे मैसेजिंग एप बंद हो जाएंगे।

वेब ब्राउजर यानी लैपटॉप या डेस्कटॉप के जरिए लॉगिन करने वाले यूजर के लिए भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को हर छह घंटे में यूजर को लॉगआउट करना होगा। इसके बाद क्यूआर कोड के जरिए ही लॉगिन हो सकेगा।

अभी एप्स सिर्फ इंस्टॉलेशन के वक्त मोबाइल नंबर का एक बार वेरिफिकेशन करते हैं। इसके बाद एप सिम हटाने या नंबर बंद होने पर भी चलता रहता है। बस इंटरनेट कनेक्शन होना चाहिए।

अब नंबर एक्टिवेट होने पर ही इन एप्स का प्रयोग किया जा सकेगा। यानी SIM बंद तो एप भी बंद। यह नंबर आप दोबारा अलॉट कराएं या नया नंबर लें बंद हुए एप्स पर इसे दोबारा रजिस्टर्ड करना होगा। कुल मिलाकर यूजर को एप चलाने के लिए अपना नंबर चालू रखना जरूरी होगा। इसे SIM-बाइंडिंग नियम भी कह रहे हैं।

दो बसों की आमने-सामने की टक्कर; 11 की मौत, 40 घायल

शिवगंगा. तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में दो बसों के आमने-सामने जोरदार टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 40 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा तिरुप्पत्तूर के पास कुम्मानगुडी रोड पर हुआ। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। एक बस तिरुप्पुर से कराईकुड़ी जा रही थी, जबकि दूसरी बस कराईकुड़ी से दिन्दिगुल की ओर जा रही थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई

SBI कार लोन स्कैम केस में ED की बड़ी कार्रवाई

- BMW और मर्सिडीज जैसी कारें जब्त

मुंबई. प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने भारतीय स्टेट बैंक (SBI) में एक बड़े कार लोन धोखाधड़ी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुणे में ऋण लेने वालों और कार डीलरों के 12 आवासीय और कार्यालय परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया है। इस दौरान एजेंसी ने आपत्तिजनक दस्तावेज और कई महंगी लक्ज़री कारें जब्त की हैं। ईडी के मुंबई जोनल कार्यालय ने 25-26 नवंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA, 2002) के प्रावधानों के तहत यह तलाशी अभियान चलाया।

ईडी की जांच से पता चला कि आरोपी कर्जदारों ने जाली दस्तावेजों के आधार पर महंगी कार लोन के जरिए प्राप्त किए। इन्होंने बैंक को धोखा दिया। सूत्रों के अनुसार, यह धोखाधड़ी 19.38 करोड़ से अधिक की है। आरोपी के परिसरों से BMW, वोल्वो, मर्सिडीज और लैंड रोवर जैसी लग्जरी कारें जब्त की गईं। ऋण लेने वालों द्वारा खरीदी गई विभिन्न अचल संपत्तियों की पहचान की गई है। आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए। 2017 से 2019 के दौरान SBI की पुणे स्थित यूनिवर्सिटी रोड शाखा से ये लोन लिए गए थे। उस समय के शाखा प्रबंधक अमर कुलकर्णी थे। आरोप है कि कुलकर्णी ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया और एसबीआई के ऑटो लोन काउंसलर आदित्य सेठिया के साथ-साथ कुछ कर्जदारों के साथ आपराधिक साजिश रची।

ईडी के अनुसार, अमर कुलकर्णी ने बैंक की ऋण नीति का उल्लंघन करते हुए और जाली/फर्जी दस्तावेजों का सत्यापन किए बिना महंगी कारों के लिए लोन प्रस्तावों को अनुचित और बेईमानी तरीके से मंजूरी थी। कई लोन में शामिल मार्जिन मनी को बढ़ाने के लिए बैंक में बढ़ी हुई राशि वाले नकली कोटेशन प्रस्तुत किए गए थे और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके ऋण स्वीकृत किए गए थे।

रोहित सबसे ज्यादा वनडे सिक्स लगाने वाले बैटर

रांची में खेले जा रहे पहले वनडे में भारत ने साउथ अफ्रीका को 350 रन का टारगेट दिया है। इस मैच में विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का 52वां शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वे अब किसी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।

रविवार को रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का माइलस्टोन अपने नाम किया। यही नहीं, रोहित-विराट की जोड़ी अब भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली जोड़ी भी बन गई।

प्लेयर्स	मैच	सिक्स
रोहित शर्मा (भारत)	277	352
शाहिद अफरीदी (पाकिस्तान/एशिया/ICC)	398	351
क्रिस गेल (वेस्टइंडीज/ICC)	301	331
सनथ जयसूर्या (श्रीलंका/एशिया)	445	270

20वें ओवर में रोहित शर्मा ने मार्को यानसन की गेंद पर शानदार छक्का जड़ा, और इसी शॉट के साथ वे वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। रोहित ने पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी के 351 छक्कों के वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान बना दिया।

विराट कोहली एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले बैटर

विराट कोहली अब एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने वनडे क्रिकेट में 52वां शतक पूरा किया, जो इस फॉर्मेट का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उनके बाद टेस्ट क्रिकेट में 51 शतकों के साथ सचिन तेंदुलकर दूसरे स्थान पर आते हैं। वहीं टी-20 इंटरनेशनल में 5 शतकों के साथ रोहित शर्मा सबसे छोटे फॉर्मेट में टॉप पर हैं।

देश का 61% हिस्सा खतरे की श्रेणी में

उत्तराखंड भूकंप के सबसे ज्यादा खतरे वाले जोन में शामिल

- हिमालयन रीजन पहली बार जोन-6 में शामिल

नई दिल्ली. भारत में भूकंप जोखिम को लेकर सबसे बड़ा वैज्ञानिक पुनर्मूल्यांकन करते हुए ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (BIS) ने नया अर्थक्वेक डिजाइन कोड और अपडेटेड भूकंपीय जोनेशन मानचित्र जारी किया है। इस नए मैप में पूरे हिमालयी क्षेत्र को पहली बार सबसे अधिक खतरे वाले जोन-VI में रखा गया है, जिसमें उत्तराखंड का पूरा क्षेत्र शामिल है।

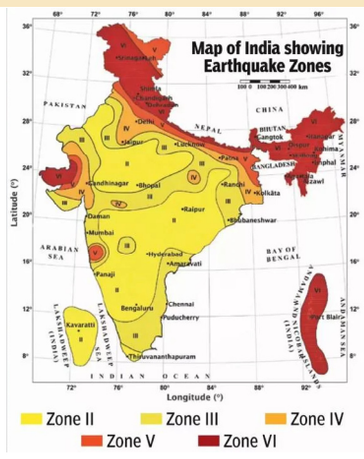

पहले राज्य के बड़े हिस्से को Zone-IV में और धारचूल, मुनस्यारी, उत्तरकाशी को जोन-V में रखा जाता था।

नए मैप के लागू होते ही देश के 61% हिस्से को अब मध्यम से उच्च खतरे की श्रेणी में माना गया है, जो पहले 59% था। वैज्ञानिकों के अनुसार यह पिछले कई दशकों में भूकंपीय जोखिम आकलन का सबसे बड़ा बदलाव है।

डॉ. विनीत कुमार गहलोत, निदेशक, (देहरादून, ऋषिकेश, कोटद्वार) वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान ने कहा कि सिस्मिक जोनिंग मैपिंग का काम ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड करता है। अभी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड ने एक नया मैप जारी किया है। उस मैप में काफी परिवर्तन किए गए हैं। सबसे बड़ा परिवर्तन हिमालयन रीजन में है।

उन्होंने कहा कि पहले अगर उत्तराखंड को देखें तो वह दो भागों में था। उत्तराखंड में एक जोन 5 था, जो धारचूला और मुनस्यारी या उत्तरकाशी के आस-पास का इलाका था। बाकी नीचे के इलाकों की बात करें, जिसमें देहरादून, ऋषिकेश या कोटद्वार के ऊपर की बात करें, तो वह जोन 4 में था। पहले सिस्मिक अंडरस्टैंडिंग ये थी कि धारचूला में खतरा ज्यादा है और देहरादून में कम है।

ट्रेनों में केवल हलाल मीट परोसता है भारतीय रेलवे?

- ऐक्शन में NHRC, भेज दिया नोटिस
- मानवाधिकार उल्लंघन का मुद्दा

नई दिल्ली. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने हाल ही में रेलवे बोर्ड को नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई उस शिकायत पर की गई है जिसमें आरोप लगाया गया था कि भारतीय रेल में परोसे जाने वाले नॉन-वेज भोजन में केवल हलाल प्रमाणित मांस का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। आयोग ने प्रथमदृष्टया इस प्रथा

को मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कनूंगो की अध्यक्षता वाली एनएचआरसी की पीठ ने कहा कि रेलवे में केवल हलाल मांस के प्रयोग का चलन न केवल भोजन विकल्पों को सीमित करता है, बल्कि यह कुछ समुदायों की आजीविका पर भी प्रभाव डालता है। पीठ ने कहा कि इससे विशेष रूप से उन अनुसूचित जाति के हिंदू समुदायों और अन्य गैर-मुस्लिम समुदायों के हित प्रभावित होते हैं, जो परंपरागत रूप से मांस व्यापार से जुड़े हैं।

एनएचआरसी के नोटिस में कहा गया है- शिकायत में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया मानवाधिकारों के उल्लंघन जैसे प्रतीत होते हैं, क्योंकि केवल हलाल मांस बेचने की प्रथा हिंदू एससी समुदायों, अन्य गैर-मुस्लिम समुदायों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। साथ ही, सरकारी एजेंसी के रूप में रेलवे को सभी धार्मिक आस्थाओं से जुड़े लोगों के भोजन के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए, जो भारत के संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना के अनुरूप है।

भोजन विकल्पों में भेदभाव का आरोप

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि रेलवे की यह नीति अनुचित भेदभाव पैदा करती है, क्योंकि इससे वे समुदाय प्रभावित होते हैं जिनकी धार्मिक मान्यताओं में हलाल मांस स्वीकार्य नहीं है। शिकायत में कहा गया कि हिंदू और सिख यात्रियों को उनकी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप भोजन विकल्प नहीं मिलते। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि यह प्रथा संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), 15 (भेदभाव-निषेध), 19(1)(g) (व्यवसाय की स्वतंत्रता), 21 (जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता) और 25 (धर्म की स्वतंत्रता) का उल्लंघन करती है।

दंतेवाड़ा में 37 नक्सलियों का सरेंडर

दंतेवाड़ा. छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के ताबूत में ITBP ने आखिरी कील ठोंकने का काम किया है। ITBP ने अबूझमाड़ में अपना अहम बेस बनाकर छत्तीसगढ़ के घने और मुश्किल पहुंच वाले इलाके में एक साल का स्ट्रेटेजिक विस्तार पूरा कर लिया है। इससे नक्सलियों का आखिरी बड़ा इंटरस्टेट मूवमेंट कॉरिडोर सील हो गया है। वहीं दंतेवाड़ा में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। दंतेवाड़ा जिले में 37 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया है। इनमें से 27 पर 65 लाख रुपये का इनाम था। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में 12 महिलाएं भी हैं। ये नक्सली कई मुठभेड़ों में शामिल रहे हैं।

संक्षेप...

काला तालाब में युवक ने की आत्महत्या

कल्याण. कल्याण में 30 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर काला तालाब में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि कल्याण शहर के चिकनघर निवासी प्रदीप किसन भोईर का शव काला तालाब से निकाला गया। अधिकारी ने बताया कि भोईर के भाई को शनिवार देर रात सोशल मीडिया पर उसका संदेश पढ़ने के बाद आत्महत्या के बारे में पता चला और उसने उसके अंतिम ज्ञात स्थान का पता लगाने के लिए पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि भोईर का मोबाइल फोन काला तालाब इलाके में मिला और शव तालाब में मिला।

हर उम्र का व्यक्ति साइबर फ्रॉड का शिकार

■ 5 साल की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई. मुंबई में साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। साल 2020 से अब तक करीब 20,000 से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। जिनमें लोगों को कुल 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का गवां चुके है। लेकिन इस राशि की रिकवरी ठगी की रकम के मुकाबले बेहद कम हो रही है। हालांकि मुंबई साइबर पुलिस जालसाजों को पकड़ने और ठगी की रकम वसलूने का काम कर रही है। जालसाज व्यवसायी, गृहिणियां, नौकरीपेशा से लेकर रिटायर्ड बुजुर्ग तक हर वर्ग का व्यक्ति इन ठगों के जाल में फंस रहे है। ठग क्रेडिट-डेबिट कार्ड क्लोनिंग, डेटा चोरी, सिम स्वैप, स्किमिंग जैसे परिष्कृत तरीके अपना रहे हैं। लेकिन पीड़ितों की मुश्किल यहीं खत्म नहीं होती दिख रही है। बैंक भी आरबीआई के 'शून्य दायित्व' नियमों को नजरअंदाज कर बार-बार क्लेम रिजेक्ट कर देते हैं।

महाराष्ट्र साइबर सेल के आंकड़ों के मुताबिक, केवल क्रेडिट-डेबिट कार्ड, एटीएम फ्रॉड, सिम स्वैप, क्लोनिंग और ओटीपी शेयरिंग से जुड़े 4,132 मामले दर्ज हुए हैं।इनमें कुल नुकसान 161.5 करोड़ रुपये रहा, जबकि पुलिस मात्र 4.8 करोड़ रुपये ही रिकवर कर पाई है। जब तक पीड़ित जानबूझकर संवेदनशील जानकारी साझा नहीं करते, बैंक जिम्मेदार हैं।

आरबीआई के मौजूदा नियम

- अगर ग्राहक 3 कार्यदिवस के अंदर धोखाधड़ी की सूचना दे, तो उसकी देयता शून्य है
- 4-7 दिन में सूचना देने पर अधिकतम 25,000 रुपये तक की देयता
- केवल तभी ग्राहक पूरी तरह जिम्मेदार होता है, जब वह जानबूझकर पिन/ओटीपी शेयर करे
- बैंक को 10 कार्यदिवस में राशि वापस करनी होती है और 90 दिन में पूरी शिकायत निपटानी होती है

नकली एसी लोकल पास के साथ पकड़ी गई महिला यात्री

■ हिरासत में पति-पत्नी

कल्याण. कल्याण रेलवे स्टेशन से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला यात्री हाईटेक नकली एसी लोकल पास के साथ पकड़ी गई। हैरानी की बात यह है कि पकड़ी गई महिला कोई आम यात्री नहीं, बल्कि एक निजी बैंक में सेल्स मैनेजर है। दरअसल, 26 नवंबर को एसी लोकल में टीटीई विशाल तुकाराम नवले ने जांच के दौरान एक महिला यात्री की ओर से दिखाए गए टिकट (रेलवे पास) पर शक हुआ। टिकट अंबरनाथ से दादर के लिए था, जिसकी वैधता 11 दिसंबर 2025 तक थी।

टिकट जांच के दौरान टीटीआई विशाल ने पाया कि महिला का पास यूटीएस एप की जगह गूगल क्रोम ब्राउजर में खुला हुआ था और उस पर क्यूआर कोड भी नहीं था, जो किसी भी असली डिजिटल पास में जरूरी होता है। इसके बाद टिकट

चेकर ने तुरंत पास के सीरियल नंबर की पुष्टि के लिए सेंट्रल रेलवे हेल्पलाइन पर संपर्क किया। जिसके बाद अधिकारियों ने बताया कि पास की वैधता इसी साल फरवरी में समाप्त हो गई थी। जांच के दौरान यह भी जानकारी सामने निकलकर आई कि पास किसी पुरुष के नाम ओंकार शर्मा के नाम से पंजीकृत था, जो महिला का पति है।

टिकट में धोखाधड़ी का पता चलने के बाद महिला और उसके पति को हिरासत में लिया गया। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान महिला के पति ओमकार ने स्वीकार किया कि उसने अपने कोडिंग ज्ञान का इस्तेमाल करके यह धोखाधड़ी की। उसने नकली यूटीएस पास बनाने के लिए एआई टूल्स का इस्तेमाल किया था।

खुद मैनेजर और पति है इंजीनियर

हैरानी की बात यह है कि महिला यात्री गुड़िया एक्सिस बैंक में सेल्स मैनेजर है, और उसका पति पेशे से इंजीनियर है। इसके बावजूद वह कई महीनों से फर्जी पास दिखाकर एसी लोकल में सफर कर रही थी। कल्याण रेलवे पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज की है।

पूछताछ के दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि ओमकार एआई और चैटजीपीटी जैसे टूल्स की मदद से न सिर्फ पत्नी की मदद कर रहा था, बल्कि उसके मोबाइल से 10 और फर्जी पास मिले, जो उसने अलग-अलग लोगों को भेज रखे थे।

सड़क हादसे में मृत व्यक्ति के परिवार को मिलेंगे 37 लाख रुपए

ठाणे. ठाणे जिले की मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के हक में एक बड़ा फैसला सुनाया है। ट्रिब्यूनल ने 2017 में एक सड़क हादसे में मारे गए 52 वर्षीय व्यक्ति के परिवार को 36.95 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश जारी किया है।

मामला 52 वर्षीय जनार्दन केने का था। 29 जनवरी 2017 को जनार्दन अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था। तभी ठाणे जिले का पडघा इलाका के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि जनार्दन की उसी दिन अस्पताल में इलाज के दौरान अधेड़ की मौत हो गई। एमएसीटी के सदस्य केपी श्रीखंडे ने कहा कि कोर्ट ने पाया कि जनार्दन की मृत्यु से परिवार को कुल 34.18 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। मृतक की मासिक शुद्ध आय 31,392 रुपये (टैक्स कटने के बाद) थी। इसी के अनुसार मुआवजे की अंतिम राशि 36.95 लाख रुपये तय की गई।

राजेश अग्रवाल नए चीफ सेक्रेटरी नियुक्त

मुंबई. राज्य सरकार ने शुक्रवार को 1989 बैच के IAS ऑफिसर राजेश अग्रवाल को नया चीफ सेक्रेटरी अपॉइंट किया है. 1989 बैच के IAS ऑफिसर राजेश अग्रवाल 28 अक्टूबर को, अग्रवाल, जो उस समय सेंट्रल मिनिस्ट्री ऑफ़ सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट में दिव्यांग लोगों के सेक्रेटरी के तौर पर काम कर रहे थे, उन्हें टॉप एडमिनिस्ट्रेटिव पोस्ट के साथ महाराष्ट्र वापस भेज दिया गया। वह 1988 बैच के राजेश कुमार की जगह लेंगे, जो 30 अगस्त को रिटायर होने वाले थे, लेकिन उन्हें तीन महीने का एक्सटेंशन मिला।

अग्रवाल जनवरी 2015 से लगभग एक दशक से सेंट्रल डेप्युटेशन पर हैं, उन्होंने फाइनेंशियल सर्विसेज़, ट्राइबल अफेयर्स, स्किल डेवलपमेंट, पेट्रोलियम और सोशल वेलफेयर जैसे खास डिपार्टमेंट में काम किया है। महाराष्ट्र में, वह पहले अकोला के कलेक्टर जैसे पोस्ट पर रहे हैं और उन्होंने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, अकाउंट्स और ट्रेजरी डिपार्टमेंट में भी काम किया है।

एक बार जब वे चीफ सेक्रेटरी का चार्ज ले लेंगे, तो 1989, 1990 और 1991 बैच के कुछ IAS ऑफिसर्स को स्टेट ब्यूरोक्रेसी को हेड करने का मौका नहीं मिलेगा। एडिशनल चीफ सेक्रेटरी IS चहल (होम), भूषण गगरानी (BMC कमिश्नर), दीपक कपूर (वॉटर रिसोर्स), OP गुप्ता (फाइनेंस) को CS के तौर पर काम करने का मौका मिलने की उम्मीद कम है, क्योंकि वे अग्रवाल से पहले रिटायर होने वाले हैं, जो अगले साल नवंबर में रिटायर होने वाले हैं।

कुर्ला एल वॉर्ड : 6,834 मतदाता गलत वार्ड में दर्ज

■ अनिल गलगली ने की तत्काल सुधार की मांग

मुंबई. बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) की सामान्य चुनाव 2025 के लिए प्रकाशित ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में गंभीर त्रुटि सामने आई है। सामाजिक कार्यकर्ता एवं आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली ने एल वॉर्ड के सहायक आयुक्त को पत्र देकर इस गलती को तुरंत सुधारने की मांग की है।

गलगली के अनुसार, वार्ड 163 में दर्शाए गए कुल 6,834 मतदाता वास्तव में वार्ड 162 के भू-भाग में आते हैं। हाल ही में हुए प्रभाग पुनर्रचना के अनुसार निम्नलिखित लिस्ट पार्ट्स को वार्ड 162 में होना चाहिए था, किंतु ड्राफ्ट लिस्ट में उन्हें गलती से वार्ड 163 में शामिल किया गया है।

अनिल गलगली ने कहा कि ये सभी क्षेत्र एवं मतदाता भौगोलिक और प्रशासनिक रूप से वार्ड 162 में आते हैं, इसलिए मतदाताओं की गलत वार्ड में एंट्री चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

'चुनाव की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए इन 6,834 मतदाताओं को तत्काल वार्ड 163 से वार्ड 162 में स्थानांतरित किया जाए,' उन्होंने कहा। इस संबंध में दिया गया पत्र सहायक आयुक्त, एल वॉर्ड को सौंपा गया है तथा इसकी प्रति महानगर आयुक्त भूषण गगरानी और अतिरिक्त आयुक्त डॉ. अश्विनी जोशी को भेजी गई है।

गलत तरीके से दर्ज लिस्ट पार्ट्स एवं मतदाता संख्या

लिस्ट पार्ट 247 ⟶ 1,454 मतदाता (सीरियल 1634–3087)
लिस्ट पार्ट 248 ⟶ 1,343 मतदाता (सीरियल 3088–4430)
लिस्ट पार्ट 249 ⟶ 1,157 मतदाता (सीरियल 4431–5587)
लिस्ट पार्ट 250 ⟶ 1,285 मतदाता (सीरियल 5588–6872)
लिस्ट पार्ट 251 ⟶ 799 मतदाता (सीरियल 6873–7671)
लिस्ट पार्ट 252 ⟶ 796 मतदाता (सीरियल 7672–8467)
कुल : 6,834 मतदाता

टोरेंट पावर द्वारा महिला कर्मचारियों के लिए विशेष सत्र

■ महिलाएं रहीं भारी संख्या में उपस्थित

भिवंडी. टोरेंट पावर कंपनी द्वारा महिला सशक्तिकरण और कर्मचारियों के समग्र स्वास्थ्य एवं विकास को बढ़ावा देने की अपनी निरंतर पहल के तहत भिवंडी स्थित ओसवाल ऑडिटोरियम में महिला-केंद्रित कार्यक्रम 'संगिनी'का प्रेरणादायी सत्र आयोजित किया. सत्र में 250 से अधिक महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

गौरतलब हो कि 'Nourish to Flourish' के ज्वलंत मुद्दे पर सेवा में कार्यरत महिलाओं के लिए सही पोषण, संतुलित आहार और स्वयं की देखभाल के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया.

'टोरेंट पावर कंपनी जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदियानी ने बताया कि, संगिनी' टोरेंट पावर का अर्धवार्षिक कार्यक्रम का उद्देश्य महिला कर्मचारियों को स्वास्थ्य-जागरूकता, व्यक्तिगत एवं पेशेवर ग्रूमिंग, आर्थिक योजना सहित परिवार और कार्य के बीच संतुलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करना है.प्रत्येक सत्र के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जो विषय पर उपयोगी जानकारी और प्रेरक विचार साझा करते हैं. सत्र की मुख्य वक्ता सुधा शंकरनारायण डायरेक्टर R&D एवं फूड सेफ्टी (एशिया, मिडिल ईस्ट और अफ्रीका), Papa John's International) खाद्य उद्योग में दो दशक से अधिक वैश्विक अनुभव के साथ विशेषज्ञता और नेतृत्व क्षमता के लिए जानी जाती हैं.अपने संबोधन में उन्होंने महिलाओं के लिए सही पोषण और संतुलित आहार की आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि कामकाजी महिलाएँ अक्सर परिवार और नौकरी की जिम्मेदारियों के चलते अपने स्वास्थ्य को पीछे छोड़ देती हैं. जिसका असर आगे चलकर उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है.उन्होंने व्यस्त जीवनशैली के बीच अपनाई जा सकने वाली सरल और व्यावहारिक आहार आदतों को साझा किया.सत्र के बाद हुए संवादात्मक चरण में महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक अपने प्रश्न पूछे, जिससे कार्यक्रम और जीवंत हो गया. चेतन बदियानी ने बताया कि पावर कंपनी लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण और कर्मचारी कल्याण को अत्यंत महत्व देती है. 'संगिनी जैसे कार्यक्रम हमारी महिला कर्मियों को अधिक जागरूक, सक्षम और आत्मविश्वासी बनाते हैं.

उनकी स्वास्थ्य-संबंधी जरूरतों को समझते हुए ऐसे सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं.

ट्रेडिंग-फ्रॉड में 72 साल के भरतभाई ने 35 करोड़ गंवाए

मुंबई. एक 72 साल के बुजुर्ग बिजनेसमैन को ट्रेडिंग स्कैम में 35 करोड़ रुपए गंवाने पड़े हैं। मुंबई के माटुंगा वेस्ट के रहने वाले भरत हरखचंद शाह ने ब्रोकरेज फर्म ग्लोब कैपिटल मार्केट लिमिटेड पर अनऑथराइज्ड ट्रेडिंग का आरोप लगाया है।

बुजर्ग बिजनेसमैन को चार साल इस फ्रॉड के बारे में पता चला, उन्होंने वनराई पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज कराई। केस IPC की धारा 409 (क्रिमिनल ब्रीच ऑफ ट्रस्ट), 420 (ठगी) समेत कई धाराओं में दर्ज हुआ। जिसके बाद उन्होंने FIR दर्ज कराई है। अब मुंबई पुलिस की इकॉनॉमिक ऑफेंस विंग (EOW) इसकी जांच कर रही है।

खेल प्रतियोगिता आयोजित करने के प्रयास सराहनीय : जगदीश तेजवानी

उल्हासनगर. उल्हासनगर में डॉक्टर्स और चार्टर्ड अकाउंटेंट सहित कई सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा पिछले कई वर्षों से वीटीसी बैडमिंटन ग्रुप के बैनर तले बैडमिंटन टूर्नामेंट डबल्स का आयोजन करता रहा हैं इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए तालुका क्रीड़ा संकुल उल्हासनगर में शानदार आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश तेजवानी को आमंत्रित किया साथ ही विशेष अतिथि राजन चंद्रवंशी की मौजूदगी भी आये हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिये सराहनीय प्रयास रहा ।

इस शानदार आयोजन में 100 से ज़्यादा प्रतियोगियों में 18 से ऊपर की श्रेणी में प्रथम स्थान पर आनंद-सार्थक दूसरे पर धीरेन- लक्ष्य

तीसरे पर शैलेश गुप्ता-प्रथमेश शिम्पी की जोड़ी रही। 35 से ऊपर की श्रेणी में प्रथम स्थान पर विकास - सचिन दूसरे स्थान पर रवि - भीमा तीसरे स्थान पर डॉ.विवेक अग्रवाल- अतीक अहमद की जोड़ी ने जीत हासिल की

सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में उत्सव से कम नहीं लग रहा था यह आयोजन।

इस शानदार टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि जगदीश तेजवानी , विशेष अतिथि राजन चंद्रवंशी , सतरामदास जेसवानी , आयोजक हीरो मूलचंदानी , सीए नवीन कुकरेजा , डॉ. गुँजन डोडवानी , डॉ. चंदन वाटवाणी , डॉ. विराज पमनानी , सोनू रत्नाकर , अनिल माखीजा , रवि कटारिया सहित कई गणमान्यों ने मौजूद रहकर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की।

शादी के दो साल बाद पापा बनेंगे रणदीप हुड्डा

■ एनिवर्सरी पर फोटो शेयर कर अनाउंस की गुड न्यूज

■ लिखा- नन्हा मेहमान आने वाला है

एक्टर रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। एक्टर ने अपनी शादी की दूसरी एनिवर्सरी पर ये खुशखबरी फैंस के साथ साझा की है। रणदीप ने लिन के साथ अपनी एक फोटो शेयर की, जिसमें दोनों जंगल में क्वालिटी टाइम बिताते नजर आ रहे हैं।

फोटो के कैप्शन में उन्होंने लिखा- 'प्यार और एडवेंचर के दो साल और अब...एक नन्हा मेहमान आने वाला है।'

इस गुड न्यूज पर एक्टर और उनकी पत्नी को इंडस्ट्री और फैंस से खूब बधाई मिल रही हैं। पोस्ट पर फैंस कॉमेंट के जरिए गुड न्यूज और एनिवर्सरी दोनों की बधाई दे रहे हैं।

रणदीप ने साल 2023 में मणिपुर की रहने वाली एक्ट्रेस लिन लैशराम से शादी की थी। दोनों की शादी इम्फाल में मैतई रीति-रिवाज से हुई थी। बता दें कि दोनों की पहली मुलाकात नसीरुद्दीन शाह के के थिएटर ग्रुप मॉटली में हुई थी। दोस्ती से शुरू हुआ ये रिश्ता प्यार में बदला और फिर लॉकडाउन के समय दोनों लिव इन में रहने लगे। साल 2022 में रणदीप ने इंस्टाग्राम के जरिए लिन के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। फिर एक साल के बाद दोनों शादी के बंधन में बंध गए।

एक्टर की वर्क फ्रंट की बात करें तो वो इसी साल रिलीज फिल्म जाट में विलेन के तौर पर दिखे थे। इस फिल्म में हीरो सनी देओल थे। अब जल्द ही वो अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म मैचबॉक्स में दिखाई देंगे।

बॉम्बे हाई कोर्ट की सरकार को फटकार

■ कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड से होने वाले खतरों से निपटने में नाकाम

मुंबई. बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाई क्योंकि वह कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड से होने वाले प्रदूषण और सेहत को होने वाले खतरों से तुरंत निपटने के अपने पहले के आदेशों का पालन करने में नाकाम रही। बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाई क्योंकि वह कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड से होने वाले प्रदूषण और सेहत को होने वाले खतरों से तुरंत निपटने के अपने पहले के आदेशों का पालन करने में नाकाम रही।जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और आरती साठे की एक डिवीजन बेंच कांजुरमार्ग में म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट के डिस्पोजल के बारे में कई पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन पर सुनवाई कर रही थी। चूंकि डंपिंग साइट रेजिडेंशियल एरिया से घिरी हुई है, इसलिए प्रदूषण-मुक्त माहौल सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत सिस्टम की जरूरत है।

जुलाई में एक सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने इन मुद्दों को तुरंत सुलझाने के लिए राज्य सरकार के मुख्य सचिव, शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव के साथ डिप्टी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की देखरेख में एक कमेटी बनाई थी।हालांकि, जब बुधवार को यह मामला फिर से उठा, तो कोर्ट ने "हैरानी" जताई कि कमेटी ने अब तक किसी भी शिकायत का समाधान नहीं किया है। कोर्ट ने कहा, "यह ध्यान देने की ज़रूरत नहीं है कि कमेटी द्वारा लिए जाने वाले सही फ़ैसले डिप्टी मुख्यमंत्री से पहले सलाह-मशविरा करने के बाद ही जारी किए जाने चाहिए ताकि नागरिकों की शिकायतों पर राज्य सरकार के सबसे ऊँचे लेवल पर विचार किया जा सके।" इस मामले की सुनवाई 11 दिसंबर को फिर से होगी।

टोरेंट पावर और महावितरण द्वारा आयोजित

विशेष ग्राहक सेवा शिविर को भारी प्रतिसाद

■ भिवंडी-मुंब्रा में 700 लोगों ने लिया भाग

भिवंडी. टोरेंट पावर और महावितरण (MSEDCL) द्वारा शिल स्थित अरिहंत कार्यालय और भिवंडी के चाविंद्र स्थित अर्श कार्यालय में एक विशेष ग्राहक सेवा शिविर का आयोजन किया गया था. ग्राहक सेवा शिविर को ग्राहकों से भारी सकारात्मक सहभाग मिला.उक्त दोनों स्थानों को मिलाकर 700 से अधिक लोगों ने भाग लिया.

गौरतलब हो कि,टोरेंट पावर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदियानी के ने बताया कि शिविर का प्रमुख विषय महावितरण (MSEDCL) के पिछले लंबित बकाया से संबंधित थे. महावितरण के अधिकारियों ने ग्राहकों को आंशिक भुगतान (part payment) सुविधा प्रदान कर सहायता की.टोरेंट के अधिकारियों ने भी उपभोक्ताओं के बिलिंग और विजिलेंस संबंधी विषयों में मार्गदर्शन कर उपभोक्ताओं के बीच डिजिटल भुगतान सेवाएं, विद्युत सुरक्षा, ऊर्जा संरक्षण के सुझाव, बिजली चोरी के बारे में जागरूकता, नए बिजली टैरिफ आदि विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए किया. विशेष ग्राहक सेवा शिविर में महावितरण के वरिष्ठ अधिकारी के साथ-साथ टोरेंट पावर के उपाध्यक्ष जीवन क्लर्क, महाप्रबंधक अंकित साहा, राघवेंद्र राव, विजय राणे, संपदा जाइंट और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.उपभोक्ताओं ने बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए अपील किया कि महावितरण के अधिकारियों को ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099